

रा.प्र.अं.०.७३/१८ जनकीन व/५ राखार

29.5.18

बहुलाप ३०. | जार्की की कुल  
कृषीम विस्तृत विवेचन के साथ  
खातिर की जा चुकी है, के अनुसार  
उपस्तुत जार्की पत्र भी खातिर  
दिना जाता है। सगापली के तल  
शुमार के नंबर के कत होकर  
दाखिल करार है।



  
अपर कलेक्टर, नागौर